B.Com - I
Sub:- B.O

Study Material
14/5/20

By Dr. S. Matiur Rahman

Demerits of Combination

(1) **पूंजीवाद**:- संयोजन में पूंजी की अधिकता होने के कारण इनके स्वामी बड़े-2 पूंजीपति होते हैं। इस प्रकार संयोजनों में पूंजीवाद का पुनः जन्म होता है।

(2) **शोषण**:- संयोजन द्वारा प्रबन्धकों को श्रमिकों पर मनमानी करने का अवसर प्राप्त हो जाता क्योंकि उनकी अनुबन्ध करने की शक्ति क्षीण हो जाती है।

(3) **कच्चा माल**:- संयोजन में औद्योगिक निर्माता संगठित होकर कच्चे माल के उत्पादकों का माल मनमाने भाव पर खरीद कर उनका शोषण करने में सफल हो जाते हैं।

(4) **अतिपूंजीकरण**:- संयोजनों के कारण उद्योगों में अतिपूंजीकरण की स्थिति उत्पन्न हो जाती है जिसके परिणामस्वरूप सट्टे को प्रोत्साहन मिलता है।

(5) **राजनैतिक भ्रष्टाचार**:- संयोजनों के निर्माण के कारण औद्योगिक इकाइयां इतनी अधिक शक्तिशाली हो जाती है कि राजनैतिक क्षेत्र में भी अपना प्रभुत्व जमाना शुरू कर देती है।

(6) **अनार्थिक इकाई**:- संयोजन के कारण अकुशल एवं अनार्थिक इकाइयों को भी देश की अर्थव्यवस्था पर भार होती हैं अनावश्यक रूप से संरक्षण मिलता है।

By Dr. S. Matiur Rahman

Scanned with CamScanner